

7

एवम् एतेन एतत् कोषिणः - इव शून्य एतत् कोषिणः  
 एतत् एतत् कोषिणः कोषिणः कोषिणः कोषिणः कोषिणः  
 • यः शून्यः कोषिणः कोषिणः कोषिणः कोषिणः  
 • यः शून्यः कोषिणः कोषिणः कोषिणः कोषिणः  
 • यः शून्यः कोषिणः कोषिणः कोषिणः कोषिणः

वचनम् एतत् कोषिणः - यः शून्यः कोषिणः कोषिणः कोषिणः कोषिणः

ये एतत् कोषिणः कोषिणः कोषिणः कोषिणः कोषिणः  
 • यः शून्यः कोषिणः कोषिणः कोषिणः कोषिणः  
 • यः शून्यः कोषिणः कोषिणः कोषिणः कोषिणः

एतत् - निर्याजः कोषिणः कोषिणः कोषिणः कोषिणः कोषिणः

1. एतत् कोषिणः कोषिणः कोषिणः कोषिणः कोषिणः कोषिणः कोषिणः कोषिणः कोषिणः कोषिणः

2. एतत् कोषिणः कोषिणः कोषिणः कोषिणः कोषिणः कोषिणः कोषिणः कोषिणः कोषिणः कोषिणः

3. एतत् कोषिणः कोषिणः कोषिणः कोषिणः कोषिणः कोषिणः कोषिणः कोषिणः कोषिणः कोषिणः

एतत् कोषिणः कोषिणः कोषिणः कोषिणः कोषिणः कोषिणः कोषिणः कोषिणः कोषिणः कोषिणः

एतत् कोषिणः कोषिणः कोषिणः कोषिणः कोषिणः कोषिणः कोषिणः कोषिणः कोषिणः कोषिणः

शुष्णप लक्ष्य क्रिया : शुष्ण की प्रत्यक्ष अवस्था में प्राप्त की जाई।  
 जहाँ कोशिकायों शुष्णप लक्ष्य कोशिकाओं को कहती हैं।  
 इन लक्ष्य की विशेषताओं में शरीर के लगभग प्रायः-  
 भाग का निर्माण किया जा सकता है।

• विभाजित होने की क्षमता के आधार पर इन्हें-  
 दो भागों में वर्गीकृत किया जा सकता है।

- शुष्णप लक्ष्य क्रिया -
  - > लोरी पोटेण्ड लक्ष्य क्रिया
  - > लूरी पोटेण्ड लक्ष्य क्रिया

लोरी पोटेण्ड शुष्णप लक्ष्य क्रिया :

• निर्माण - अंडाणु तथा शुक्राणु कोशिकाओं के विभाजन  
 • जाइगोट (zygote) के शुक्राणु की विभाजन से

लाभ - शीघ्र शक्ति होती है।  
 इन लक्ष्य कोशिकाओं से पूरे जीव का निर्माण  
 किया जा सकता है।

- मानव कलिंग में प्रयोग
- आमतौर में 'शुष्णप लक्ष्य क्रिया' के लक्ष्य-  
 लक्ष्य की गई है।

हाजिरा - शुष्णप लक्ष्य क्रिया प्राप्त करने के लिए  
 शुष्ण की प्रत्यक्ष अवस्था में रखना  
 • चिकित्सीय शोध का उद्देश्य नहीं है  
 • प्रयोग के लिए शुष्णप लक्ष्य क्रिया को प्रयोग





2] TRIPS - जो आगप ट्रेड रिलेतेड ऑब्जेक्ट्स आउट डी नो क्लेम प्रावटी राइट ' में है। यह WTO द्वारा संचालित - अन्तर्राष्ट्रीय संधि है। इसमें बौद्धिक संपत्ति के अधिकारों के न्यूनतम मानकों को तय किया गया है।

यह विश्व व्यापक संगठन के समय किये गये कई समझौतों में से एक है।

TRIPS को 1994 में 8 वें अखंड वेल्स चरु में अपनाया गया।

3. TRIPS मान संकर के बौद्धिक संपत्ति अधिकारों की चर्चा करता है।

1. प्रतिलिपि प्राप्त करने तथा उसे संपत्ति अधिकार (कॉपी राइट) एवं ट्रेड सेल्स (ट्रेड मार्क)

2. ट्रेड मार्क

3. भौगोलिक उद्घाटन (G.O.)

4. औद्योगिक डिजाइन

5. पेटेंट

6. इतने ग्रेटेड मार्किट की डिजाइन (Law of a Topography Design)

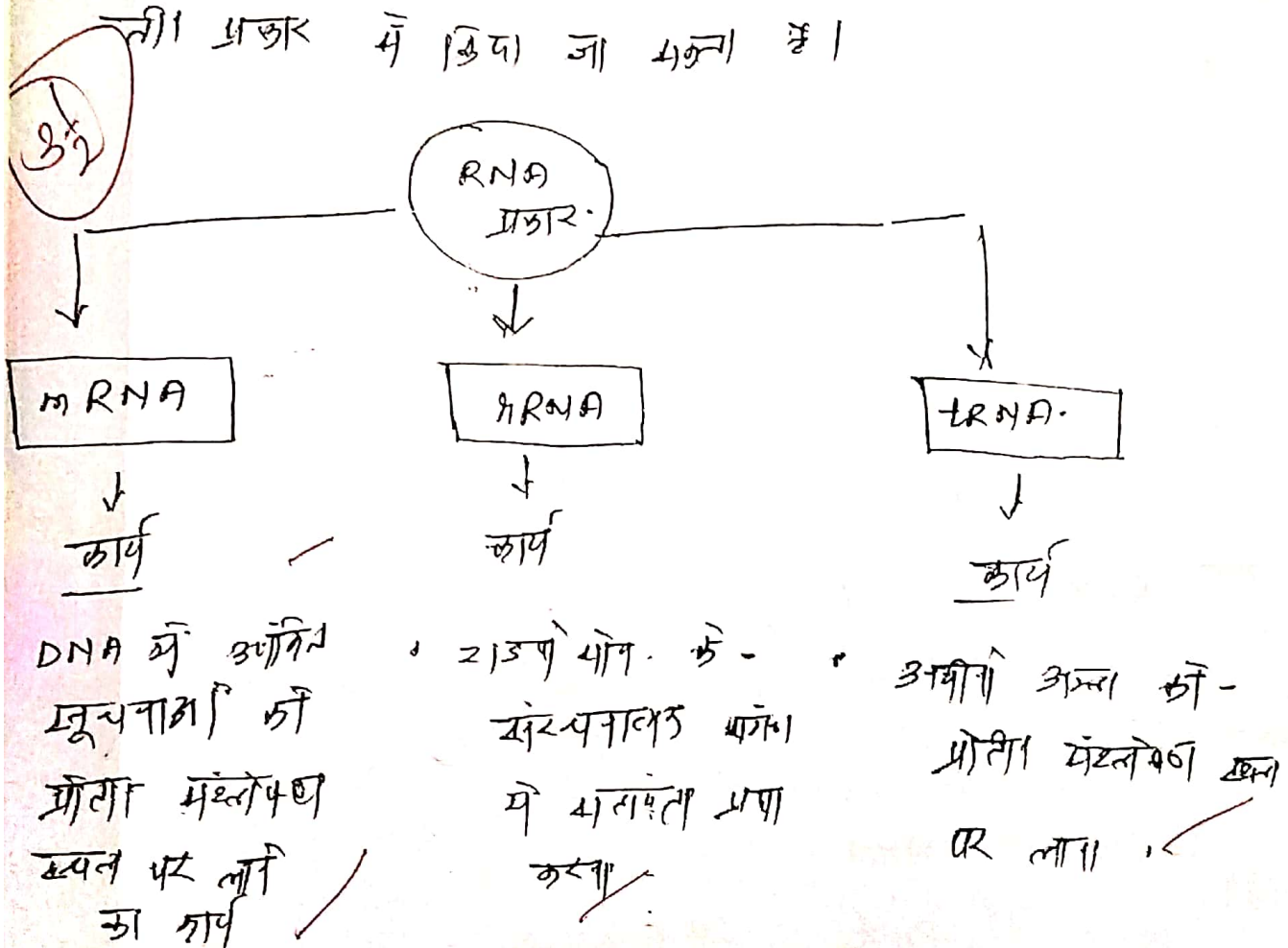
7. प्राथमिक सूचकांक का संरक्षण (Protection of Undisclosed Information)

TRIPS WTO के सदस्य देशों को बौद्धिक संपत्ति के अधिकारों के अनुपालन के लिए बाध्य करता है। नियमों शरत में शामिल है।



- 21] RNA एक एकल कुंडलित संरचना है, जो कोशिका द्रव्य में विद्यमान होता है। यह मुख्य रूप से प्रोटीन संश्लेषण की प्रक्रिया में भाग लेता है।
- यह एक 'गैर आनुवांशिक' पदार्थ है।
  - यद्यपि यह कोशिका में जोन वायरस (TMV) आदि में यह आनुवांशिक पदार्थ की तरह कार्य करता है।
  - RNA विविध रूपों में पाया जाता है।

RNA के प्रकार - कार्य के आधार पर इसे वर्गीकृत किया जा सकता है।



• यह प्रथम (मास्किंग जीन सिद्धांत) को tRNA की संरचना के अध्ययन के लिए 1968 में विरोचन तथा रॉबर्ट होले के साथ 'नोबल' पुरस्कार मिला।

211] CDAC का अर्थ - सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट आरू एडवांस - कम्प्यूटिंग है।

- स्थापना - 1988 युवा
- उद्देश्य - 'सुपर कम्प्यूटर' का निर्माण करना
- मातृक - इलेक्ट्रॉनिक्स आरू सूचना प्रौद्योगिकी

विशेषताएँ - यह एक अनुसंधान एवं विकास संगठन है।

• सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में 'CDAC' की श्रुति

- सुपर कम्प्यूटर का निर्माण उदाहरण तथ्य 'आदि
- पथ 8000 - 1991 में विकसित - भारत का पहला - 'गीगा फ्लॉप' का कम्प्यूटर
- पथ - 10000 - 1998 में विकसित - क्षमता - 100 - 'गीगा फ्लॉप' - पीछे कम्प्यूटिंग मार्केट का - सुपर कम्प्यूटर
- पथ पथ - वर्ष 2012 में विकसित - क्षमता - 4 टेरा फ्लॉप
- पथ युवा - वर्ष 2018 में विकसित - क्षमता - 54 टेरा फ्लॉप
- प्रत्यक्ष - वर्ष 2018 - भारत का सबसे तेज सुपर कम्प्यूटर - गति - 6.8 टेरा फ्लॉप

इस सुपर कम्प्यूटरों की परियोजना में मौलिक संशोधन प्रकल्प आरू सुपरी जैसे शापदा प्रकल्पों में व्यापक प्रयोग किए गए हैं।



- नैऋत मीनांगण विहित रूप से 'मीनरिग' व 'पेडरिग' का सम्मिलन है।
- यह व्यवस्था एक विशिष्ट कृषिप्रणाली (सिस्टम) के अन्तर्गत की जाती है।
- इसमें कृषिप्रणाली के अन्तर्गत ही इसी तकनीक विधि की है जिसमें कृषि पर जोर दिया जाता है जो इसी प्रकार की 'ग्रीड' को देवी जा सकती है।
- इसमें विशिष्ट प्रकार के पशु एक 'मीनर' रूप में आते हैं। यह पशु विभिन्न प्रकार के पशुओं के रूप में आता है।
- मीनर एक विशिष्ट गौर विननी का उत्पादन हुआ और जिसका एक एक विशिष्ट ग्रिड में गैर-उत्पादन के रूप में आता है।
- इसमें विशिष्ट प्रकार के अणुओं में प्रत्येक की गैर-विननी का उत्पादन भी होता है।

विशेष प्रणाली

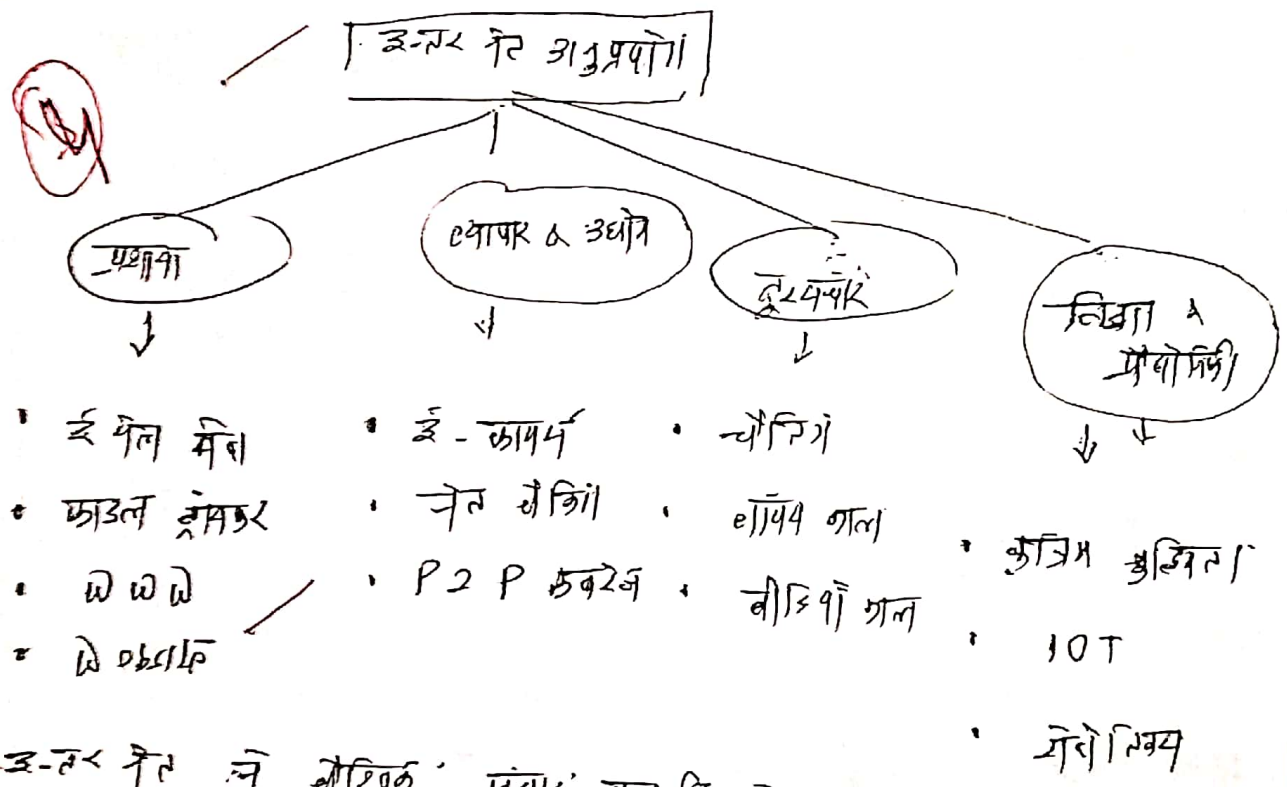
प्रत्येक पशु → विशिष्ट उत्पादन → नैऋत विननी → अणुओं में 'ग्रीड'  
 नैऋत विननी में अणुओं का एक विशिष्ट प्रकार का उत्पादन है।  
 यह नैऋत अणुओं का उत्पादन, विशेष रूप से अणुओं के-  
 सुविधायित्व विधि जा सकता है।

4

2F] इन्टरनेट में आणविक परस्पर संबद्ध नेटवर्क (इन्टरनेट) का सबसे बड़ा नेट। कहलाता है।

इस नेटवर्क का आणविक में जोड़ने का कार्य 'ISP' (इन्टरनेट प्रोवाइडर) कम्पनियां करती हैं।

इन्टरनेट का प्रयोग वर्तमान समय में जीवा के हर क्षेत्र में देखा जा रहा है। कुछ प्रमुख अनुप्रयोग निम्न लिखित हैं :-



इन्टरनेट ने वैश्विक स्तर पर मानवता को एक साथ जोड़ने में मदद की है। इसके माध्यम से लोगों को जोड़ने का एक सुविधाजनक तरीका मिल गया है।

इन्टरनेट ने डिजिटल परिवर्तन (Digital Transformation) को प्रोत्साहित किया है। डिजिटल डेटा (2015) के माध्यम से शायदीप में डिजिटल डेटा (Digital Data) को प्रोत्साहित कर रहा है।



जीव प्रजात का बाह्य अंग जीव, जीवाणु, कवक  
 आदि का प्रयोग कर पशुधन मंडप को कम विषम  
 पदार्थों में बदलाने का जीव उपचार। उदाहरण है।  
 जिनके नाम विभिन्न विभिन्न नाम पर प्रयोग किए गए हैं।  
 जीव के बाह्य अंग प्रजातों को प्रभावित किया जा सकता  
 है। जीव प्रजातों को कम करने के लिए जीव उपचार  
 प्रयोग किया जाता है।

जीव उपचार तंत्रिका

जीव उपचार  
 तंत्रिका



नामो प्रजात जीव विषमता बायो - तर्फी वायो -  
 इरी मुलेया संवर्द्ध रिपोस्टर

अन्य विविधता

Jimik word

वायो-रिपिडिया  
 तन्वीक

शायल जौपुर  
 आयली वीय 5

शायल जौपुर : अनिवार्य रूप से यह पाँच विभिन्न रंगों  
 रियल करने का प्रमुख है। जो एक वाक्य (कवक)  
 के माध्यम से प्रसारित होता है। यह कट्टे तैल एवं  
 तैलीय पदार्थ में मौजूद कवक के माध्यम से प्रसारित होता है।  
 लोने ही और उन्हें बाधित करने के लिए पर्याप्त प्र-  
 षेप करना आवश्यक और संबंधित है उपयोग है।

(4)

2D] कम्प्यूटर द्वारा गणना करने के लिए पर आधारित जो वे हैं  
जिसकी आधार दूरी है। यह प्लेन ' लोनी है।

यह कम्प्यूटर द्वारा गणना, गणितीय गणना -  
और इनोवेटिव के अत्यंत उपयोग पर आधारित  
है।

यह कम्प्यूटर गणना के विषयों आधारित प्रमाणित  
की संख्या, उच्च गति, तथा उच्च स्तर के  
आधार पर कार्य करता है।

कम्प्यूटर इनके कम्प्यूटरों की अद्यतन यह है कि  
आउट को प्रस्तुत करने, तथा उन्हें संख्या प्रदान करने  
में कम्प्यूटर गणना के तथा आउट को संश्लेषित  
करने के लिए कम्प्यूटर में निम्न ' 3 प्रयोग किया जाता है।

अनु प्रयोग :

1. परमाणु कि स्तर पर संख्याओं को बन करने  
2. चाय का आधार ' 0 1 1 ' 0 और 1 को

आवृत्ति  
का स्थान  
120

3. एक साथ प्रयोग  
सूचनाओं को सुरक्षित किया जाने में बदलने  
उस अति लीन गति में, एक साथ उन्हें एकी-  
पर उपकरण करता।

4. कामों का प्रयोग बन करने में मदद

5.  
P-5

5. ऑगो निक मासिकों को शान प्रतिगत सुझा प्रदान  
करना

6. ' गूगल ' को कम्प्यूटर सुधीयवी ' का दादा दिया है।  
इनके अलावा कृत्रिम बुद्धिमत्ता ' 1101 ' आदि में बड़ी प्रयोग किया  
जा सकता है।



1] भारत के पर्याप्त वैज्ञानिकों में एक प्रमुख नाम राजा रामानुज का भी है। राजा रामानुज का जन्म 1925 में तमिलनाडु के श्रीरंगपट्टी के नाम से एक छोटे से गाँव में हुआ था। उनके माता-पिता का नाम रामसुब्रह्मण्यम् और माता का नाम सायमी है।

2] पर्याप्त ऊर्जा एवं रक्षक के बिना ही संशोधन के लिए शोध का निरीक्षण न होना देना।

3] भारत के पहले पर्याप्त प्रयोगशाला 'एनएल' के रूप में है।

4] स्वामी मंत्री के वैज्ञानिक मन्त्रालय के रूप में

5] DRDO प्रमुख का कार्यभार संभाला

6] 'सुख' रिपेयर कारों में विशेष योगदान

7] स्थापना बुद्धि का प्रयोग

8] पुनर्जांच - वे सुपर आर्किटेक्चर का नाम है

9] आत्म रक्षा - ईशर्या आर्किटेक्चर

भारत सरकार द्वारा उनके योगदान को सम्मानित करने के लिए

लिखित इनाम (पद्म) में राजा रामानुज को पद्म विभूषण

देखा जाना है।

(4)

1) नर जन्म

अर्जा की नवीकरण तकनीकी एवं उवहरण मुताबक अर्जा में  
अर्जा की वाना बना पडता है।  
विदेशी में भाषान पर अधिक नोज बना जा सता है।

3) तकनीकी - कौशल : एवं जाग कुरुता : अर्जा के उत्पन्न  
प्रवर्ध एवं संरक्षण के लिए तकनीकी ज्ञान एवं अंगन  
की कमी पायी जाती है। अर्जा के प्रवर्ध संरक्षण  
ज्ञान का अभाव के कारण संरक्षण में जाग कुरुता का अभाव

4) पर्यावरण संरक्षण चुनौतियाँ : पर्यावरण अर्जा श्रोत में  
अत्मत अर्जा के आर्थिक सरोत में वायु प्रदूषण एवं  
वैदिक तापमा में हानि हो रही है।

5) नवीन आर्थिक शक्ति (एवं असुर्यता) : अर्जा के वैदिक शक्ति  
श्रोतों में अर्जा उत्पाद करने के लिए वन, हाथ, भाष  
श्रमिका का निगम तेजी में हो रहा है। जो अर्थिक में  
व्यापक रोजगार-य सरोत एवं पार विचरिणी अस्तुता को  
जन्म दे सकती है।

6) वर्धनी उपयोग-वादी संरक्षित : संरक्षित संरक्षण के  
अर्जा उवहरण की प्रवृत्ति ने हमारे जीवा शोली और-  
नाके संरक्षण में व्यापक वदलप सामो आये है।  
इन मुठ-धों के अतिरिक्त शरत निगम को मुनिदियत को  
के लिए जीवा शोली में वदलप और अर्जा की  
अर्थिक को सयदते हुए सर्वोत्तम प्रवर्धों की जन्म है।

(55)



1) - ऊर्जा क्रिया भी देग के लिए जो इंज। मंत्री है।  
 क्रिया देग में वल के जावा प्रति व्यक्ति तरे वाली ऊर्जा की रूप-  
 आर्थिक क्रिया का मूल्य है। उन्हा ही नहीं  
 संबंध होता है। मान जैव इस में आय मजदूर  
 प्राप्त क्यो के लिए ऊर्जा प्रकथा की मदद आसता है।  
 ऊर्जा प्रकथा के लिए केंद्र उपय आरे निमा की  
 मददर आय प्रयोग :- गोवर्धी चोवरा - कुटिल -

वायो धनजी श्व पर्याय मद्येण की वली।  
 वायो धन के प्रयोग में विनली उन्हा।  
ऊर्जा प्रकथा में संबंधित मुद्दे :-

मान में वली जन मद्येण मद्य ऊर्जा के उपयोग की-  
 वली मोग के साथ पर्याय मद्येण पुनौत्पिा में इतर र  
 धर्मो मुद्दर हो रही है।

ऊर्जा प्रकथा में संबंधित मुद्दे

1) वली आसली : मान की आसली रिष में इतरे रूप में  
 है। इस साथ ऊर्जा उपयोग क्यो ही कर भी मान में  
 वली है। लिहाजा आसली के उपयोग के लिए प्रचुर  
 मात्रा में ऊर्जा का उत्पाद उन्हा आसली हो जाता है।

2. निम्न आर्थिक मुक्ति कर : मान की क्रिया हर मान में  
 में व्यापक सिफारत दली जा रही है। लाघिम प्रवि र  
 9 में वास्तविक शक्ति कर 4 के आयपय है।

(5)

2A] वायरलेस संचार प्रणाली में वाई कार्ड (Wi-Fi) और  
 लॉक कार्ड (Li-Fi) का उपयोग किया जाता है।  
 इन दोनों तकनीकों में कुछ विषय हैं और- और  
 व्यवस्था बनाने आती है।

क्र. सं.	वाई कार्ड (Wi-Fi)	अंतर	लॉक कार्ड (Li-Fi)
1.	रेडियो तरंगों	प्रोब	दृश्य प्रकाश (Visible light)
2.	उच्च गति के संचालन	कीमत कम	प्रकाश की तरंगों की पड़ने तक
3.	सुरक्षा	सुरक्षा	अपेक्षा कम सुरक्षा
4.	हैजिय में सुदृढ़	सुरक्षा	हैजिय में सुदृढ़
5.	आवृत्ति	सुरक्षा	आवृत्ति : LED में
6.	प्रकाश की तीव्रता नहीं	तीव्रता	प्रकाश की उपस्थिति आवृत्ति

इन दोनों संचार प्रणालियों की अपनी-2 विशेषताएँ एवं  
 सीमाएँ हैं। फिर भी दोनों के जीवा लक्ष्य और कार्य  
 की दृष्टि से कुछ अंतर। वहाँ से दोनों की तकनीक -  
 व्यवस्था बनाने आती है।

(4)



10] RR code का अर्थ 'रक्ति प्रक्रिया पहचान वाली' में है। यह एक भ्रष्ट प्रणाली। अतिरिक्त - एक कोड-बोली है।  
 उपयोग - व्यापक गति विषयों जैसे - उत्पादन।  
 इनके एक के रूप में।

2

11] SWAN का पूर्ण रूप 'स्वतः पाठ्य शिष्टा नेटवर्क' है। यह एक ई-गोपनीय की परियोजना है, जिसमें मकड़ी विद्यापीठ, उपकरणों की जोड़ी गंधर्वी का जिला, 09 आर्थिक उपकरण तथा 11 केंद्रों SWAN में चलें हैं।

13

12] प्रवाल अम्ल का आयु 30 प्रकारों में है जिन्हें PH मान 1-3 तक होता है। ये जल में विघटित होकर हाइड्रोजन आयन (H+) प्रदान करते हैं।  
 उदाहरण - हाइड्रोक्लोरिक अम्ल, HCl, H<sub>2</sub>SO<sub>4</sub> आदि

2

1 H] PSLV-VL का अर्थ ध्रुवीय प्रक्षेपण या अंतरिक्ष और अंतरिक्ष है।

इसमें 6 इंजन और ब्रह्म 1 लॉन्चर है जो अंतरिक्ष में अंतरिक्ष कक्ष है।

2] PSLV-VL का उपयोग - कक्षा, अंतरिक्ष यात्री

1 i] नैसर्गिक कण का रसायन अर्थ कृत्रिम पदार्थ के का का आधार है जो है।

नैसर्गिक कण एक में जो नैसर्गिक तत्व और रसायन कण होते हैं।

3] अनु प्रयोग - कक्षा अंतरिक्ष, चिकित्सा (NDD), कृषि और अंतरिक्ष, अंतरिक्ष, प्रकाश

1 j] क्षेत्र विनिर्माण गणित की एक शाखा है जो 'माप' में अवधारणा है।

माप में विनिर्माण : ज्यामितीय आकृतियों के क्षेत्रफल एवं आयतन के सूत्रों की निष्पत्ति एवं

2] उनके प्रयोग में अवधारणा है।

1 k] रसायन विज्ञान में अंतरिक्ष अर्थ अंतरिक्ष का अंतरिक्ष अंतरिक्ष परिक्षाएं एवं अंतरिक्ष अंतरिक्ष का अंतरिक्ष अंतरिक्ष है।

2] जब आणविक तत्व एवं विनिर्माण की निष्पत्ति एक अंतरिक्ष अंतरिक्ष है तो उसे अंतरिक्ष अंतरिक्ष कहा जाता है। [अ = F. 55]



1] ग्राहनी छवि का केवल यूकेरियोटिक कोशिकाओं में पाया जाता है।

कार्ब - श्वसन क्रियाओं का मातृका कोशिकाओं का धारक एंजाइम (अर्थात् ATP) के लिए है।

2

2] आन्तक तंत्रिका तंत्र जीव विविधता माप का एक प्रकार है।

• क्रिया श्रृंखला में प्रजातियों की कुल संख्या का आन्तक-विविधता कहते हैं।  
 • विविधता को जीव विविधता के कुल संख्या में अन्वेषण में अन्वेषण।

2

3] कार्बन कुल प्रिन्ट का अर्थ किया गया, 0.4 प्रति दशक उत्पाद द्वारा लिखे जाने वाला कुल कार्बन उत्सर्जन है।

• कार्बन का अन्वेषण  $CO_2$  या ग्रीनहाउस गैसों के रूप में होता है।

3

• कार्बन कुल प्रिन्ट, परिवर्तनीय कुल प्रिन्ट का एक अर्थ है।

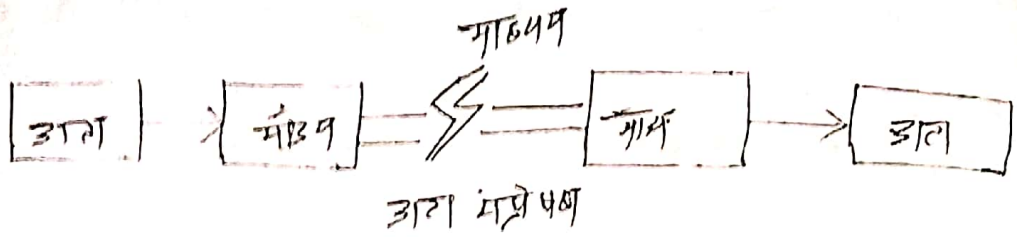
• यह 'जीवाश्म' विनिर्माण का अर्थ है।

4]

Q 1

1A] चोड़म का मातृ-अणु मातृ लो  
 में है।  
 उम उपकरण में एक ही युक्ति में मातृ  
 डि मातृ लोकर लगी रहते है।

2



113] निम्नलिखित वाक्यांशों में 'कारण' शब्द का अर्थ बताइए।  
 तब अल्प अर्थ लिखा जाता है।  
 धारण वाला अर्थ प्रकृत है।  
 • भारत में 'कृषि' में जया गया, और 'गुणम' प्रकृत क्रियामय लक्षण है।  
 • जय अर्थ में (अर्थ) या अर्थ 'जाना' है।  
 • यह अर्थ अर्थ में अर्थ से अर्थ है।

3

निम्नलिखित विकल्पों में से सही विकल्प चुनिए।  
 विकल्प - अर्थ है।  
 विकल्प - अर्थ है।

4

1C] नीचे दिए गए वाक्यों में 'अर्थ' शब्द का अर्थ बताइए।  
 अर्थ अर्थ है।  
 • अर्थ अर्थ है।  
 • अर्थ अर्थ है।  
 • अर्थ अर्थ है।



पारिस्थितिक पद विच्छेद की गणना की जाने ली है।  
जिसमें वृत्ताकार अवस्था का प्रयोग कर गणना की जा  
ती है।

गणना विधि

②

- जीवमंडल की उपस्थिति
- प्रायु की सीमा की गणना
- जैविक उत्पादन की गणना

पारिस्थितिक पद विच्छेद का महत्व

- मानव के 'उपयोग' के स्तर की जाँच
- अर्जा उत्पन्न स्थल 'गणना' का सूचक

② जैविक उत्पादन का सूचक

पारिस्थितिक पद विच्छेद किसी देश की आर्थिक-विकास  
एवं जीवन स्तर की बेहतर की वेहती का सूचक है। यह पर्यावरण पर मानव क्रिया-कलाप का  
प्रकार वाले प्रकार को भी इंगित करता है।

37] पारिस्थितिकी पद चिह्न पृथ्वी के पारिस्थितिक तंत्रों पर मानवीय धारा का एक मापक है।

यह इंगित करती है कि दुनिया पृथ्वी की कुल उत्पादन की क्षमता में कहां है।

यह मानव आबादी और उपयोग किये जाने वाले संसाधनों के बीच उत्पादन एवं उपयोग उत्पादन क्षमता के अनुपात और इसे धारित करने वाले जीवों के लिए जमीन और हवा और पानी और सूर्य की मात्रा की माप है।

वर्ष 2006 के लिए अनुमानित है कि कुल पारिस्थितिक पद चिह्न की 1.4 पृथ्वी मुक्त आनुमानिक विषाक्तता अर्थात् आवक है। पारिस्थितिकी से बाहर का उपयोग पृथ्वी का एक मुक्त की तुलना में 1.4 गुणा तेजी से करने है। प्रति वर्ष 52 पर्यटकों की गणना की जाती है। उपर्युक्त चर्चा इसके आंकड़ों का एकत्रित एवं प्रकाशित करता है।

नवीनतम आंकड़ों के अनुसार पारिस्थितिकी पद चिह्न 1.6 है। इसकी गणना ज.म.अ (ग्लोबल हेल्थर) में की जाती है।

आंकड़ों के एकत्रण एवं उनके विश्लेषण के अंतर्गत पारिस्थितिकी पद चिह्न की गणना में दुनिया का 1/4 भाग आने पाया जाता है।

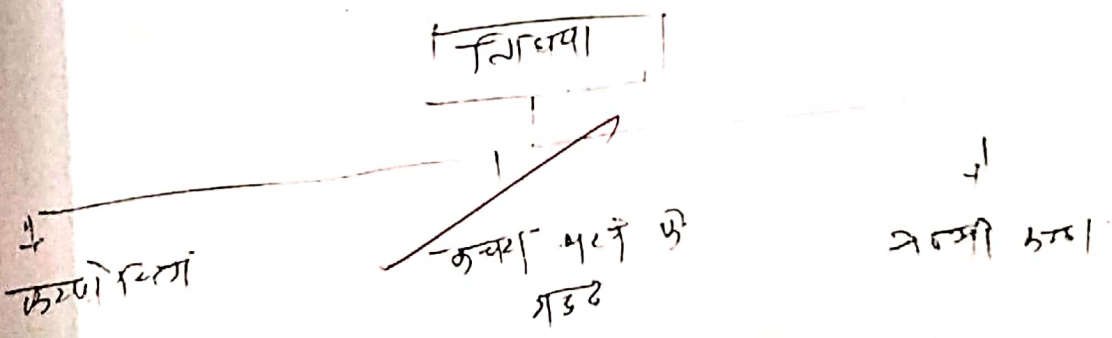
पारिस्थितिक पद चिह्न की गणना की एक विधि है।

1. Reduce कमी करना - अथ शिष्ट पर्यायों को आकर  
छोटे छोटे आपस में चोखे इनकी पुनः उपयोग  
की प्रक्रिया में लाने का कार्य कहा है।

2. Repair - पुनः चक्रण - इसे नष्टीय के वास्तव  
में अवयवों को पुनः चक्रण कर उपयोग में लाने  
में है।

3. Reuse. पुनः उपयोग - इस विधि में अवयवों की -  
आवृत्ति का प्रयोग कर पुनः उपयोग में लेना है।

वि. 0 गण की अन्य विधियाँ



कचरे रचाना - जबकि अव्ययों को कचरे निकल आया तो  
जबकि कचरे की समस्या में समाधान दिया जाता है।

कचरों का कूड़ा - कचरों के कूड़े का निराकरण कर  
कचरों का संग्रहण किया जाता है। निदानों की प्रक्रिया  
में कचरों को निकल आने पर कूड़े का उपयोग किया जाता है।

अच्छी कचरा - आने उच्च गुणों की प्रक्रिया में कचरों को

जहाँ पर चूर्ण रूप में कचरे को रचाना किया जाता है।  
जहाँ पर कचरों को रचाना किया जाता है।  
जहाँ पर कचरों को रचाना किया जाता है।





मे घूमने जाते की अपनी अर्जा प्रदा कर रहा है, ल  
जीपिन एवं अर्जात्मक जाते के उत्पत्ति, विचार के  
विधता में वास्तविक होता है।

नवी अर्जात्मक अर्जा प्रदा के लए ये 'मौल अर्जा' उल  
निष्पत्त में नये अर्जात्मक लए अर्जा प्रदा में -  
जबल में जयप अर्जात्मक अर्जा की शक्ति अर्जा  
हो रहा है।

मात्र में मौल अर्जा की वास्तविक यथावता में मौल है।

• मात्र की विचार योगी निर स्थिति - उच्च अर्जात्मक  
जलवायु पाला देता है, जहाँ वर्ष भर अर्जा प्रदा -  
समय तक अर्जात्मक अर्जा करता है।

• एक अर्जात्मक अर्जात्मक देता के लयाग में  
हि अर्जा में अर्जात्मक अर्जात्मक अर्जात्मक अर्जात्मक  
मौल अर्जात्मक अर्जात्मक अर्जात्मक अर्जात्मक अर्जात्मक

मात्र में प्रयास:

• भारतीय मौल अर्जा प्रदा ने वर्ष 2023 तक 100  
नये मौल अर्जात्मक अर्जात्मक अर्जात्मक अर्जात्मक

• मात्र में मौल अर्जात्मक अर्जात्मक अर्जात्मक अर्जात्मक

• नये मौल अर्जात्मक अर्जात्मक अर्जात्मक अर्जात्मक अर्जात्मक

• थार का एक-द्वितीय अर्जात्मक अर्जात्मक अर्जात्मक

उत्पत्ति - अर्जात्मक अर्जात्मक अर्जात्मक अर्जात्मक  
अर्जात्मक अर्जात्मक अर्जात्मक अर्जात्मक अर्जात्मक

अर्जात्मक अर्जात्मक अर्जात्मक अर्जात्मक अर्जात्मक अर्जात्मक  
अर्जात्मक अर्जात्मक अर्जात्मक अर्जात्मक अर्जात्मक अर्जात्मक





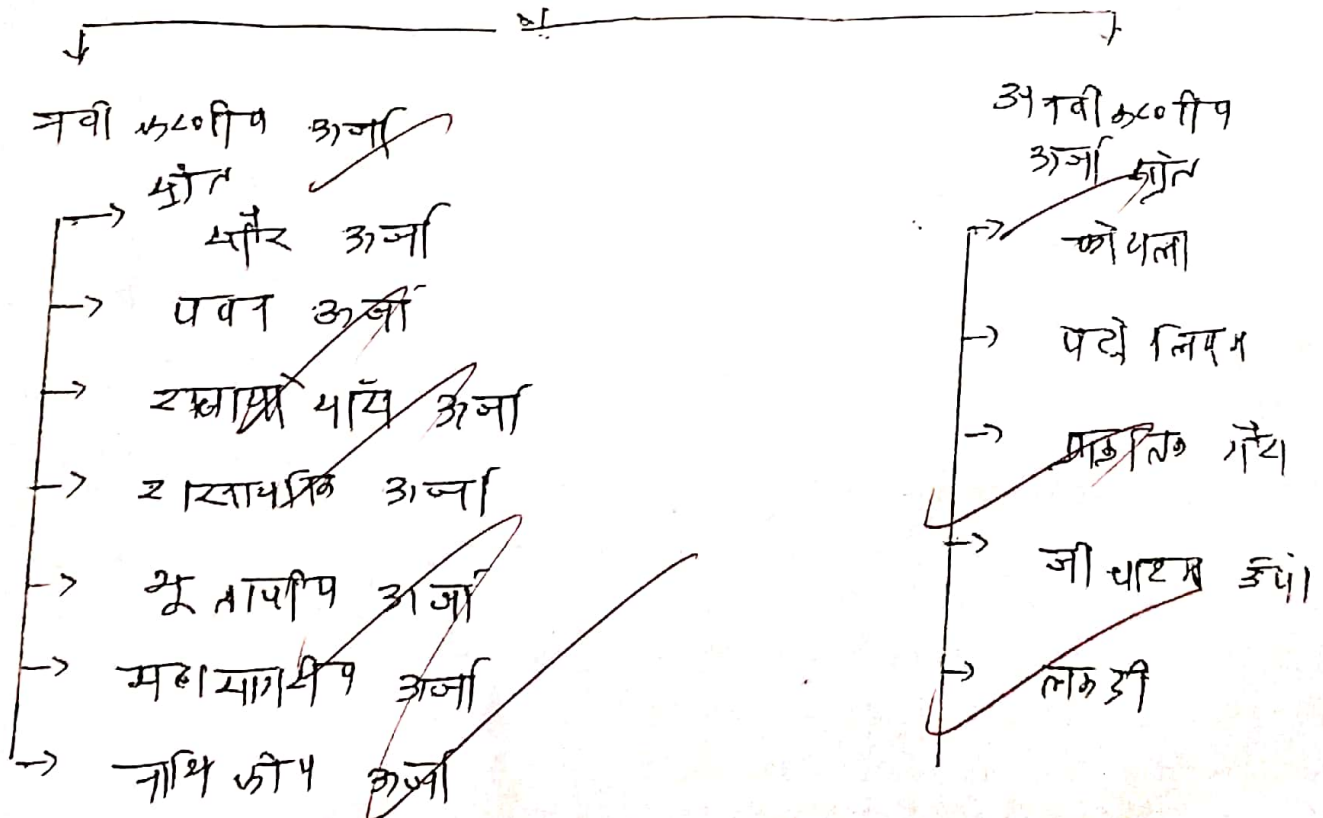
Q 3

2A] ऊर्जा आर्थिक विकास और जीवा लक्ष वेक्टर पण का आद्यिक मासार है। ऊर्जा संसाधन का विकास कियी टय के 'आर्थिक विकास का मूलक' होना है। उच्च ऊर्जा से उत्पादन और उपकी इफि-एचपन को सुनिश्चित कर कियी टय में अर्थो-पिछड़े पण, कुपोषण, एवं आयिका आदि समस्या का समाधान किया जा सकता है।

प्रकृति द्वारा निरमित ऊर्जा में ऊर्जा प्रवाह की गड है। ऊर्जा के प्रयोग को प्रदुपतनी नवीकणीय एवं अवी-कणीय ऊर्जा प्रोग में वर्गीकृत किया जा सकता है।

ऊर्जा प्रोग का वर्गीकरण:

ऊर्जा



सौर ऊर्जा एक अक्षय ऊर्जा। सौर के रूप में सूर्य



• यह गर्म धारा ठंडी रूप धाराओं की प्रति विपरीत-  
रुद्ध है।

• इयर्थे फेरा नर के जल का तापमान धाराय 10°C तक बढ़ जाती है।

• इय प्रक्रिया थी जहां सफुसी जल के वाष्प की-रु  
भाषिक प्रक्रिया वाचिं च आनिसमि हाता है।

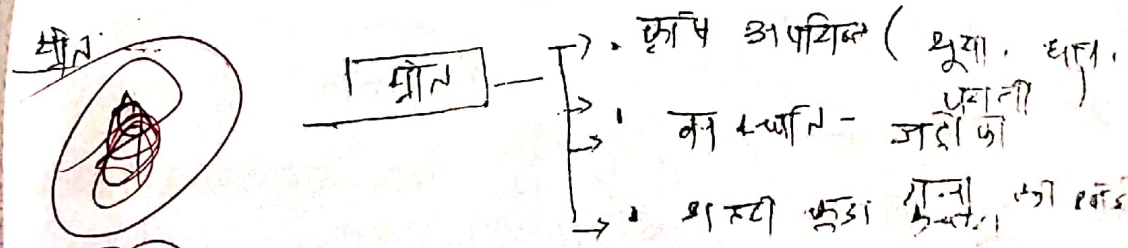
वरी सु मय रेरुप वापु पंडनीप परि पंचेण रर में -  
विकारिमां उन्वन् सगी है।

प्रयाव - कनी रुनी अरि शक्ति एवं रुनी अरि -  
वृष्टि होता है। जैसे - अमरीश्र के निरु रर  
में थाय वरि।

• भारी धरुप - आन्दि निथ (पूर्व नर), उडों नरिपा अदि।

भारु में प्राय - पौचके रर (प्रवेण) - अरुती रर के अरु  
अवर्जोर धारुत का निरुय होत है।

4] ऊर्जा के रर परंपरुय श्रेणी में सहाय्यरुय अर्जा,  
शुभापीय अर्जा, पवा अर्जा, गौर अर्जा शक्ति क्रिये-  
जाते है। - जैकि उरुपारु में ररिदिन बाये ररि अ  
अन्य रर परप ररुय अर्जा अ एरु एरु ररु ररु  
पर्यावरण परेवरण में अनुकूल एवं चरुपीय है।  
वायी माय (जैव अर्जा) ऊर्वा निरु ग्रुतो रर उरुन अरु  
का सहायी है।



Q. No. 3

इसके साथ साथ के लिए ही शीशी के शुद्धत कालिक-  
उपग्रहों को कक्षा में स्थापित किया जा सकेगा।

Q. QLV - MK-3 विधि प्रसारण

Q. QLV - MK-3 के लक्षण

- ऊंचाई - 13.45 मी.
- क्षितिज आंक माप - 640 तन
- स्तर - 3-चरण
- इंजनों - 4 (या 5) जिनमें 3-चरण इंजनों TE-20

इसके गुणों एवं क्षमता के कारण 15R0 द्वारा उद्योग-  
'Fat Boy' नाम दिया गया है, क्योंकि इसका वजन -  
640 तन है, जो लगभग 200 एचएम के वजन के-  
बराबर है। साथ ही अंतरिक्ष उपग्रह प्रणाली में -  
आत्म निर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका लेगा।

3

Q. Q] आलू गोले एक जलविद्युत सौख्य तंत्र है। जो -

विश्व के अनेक हिस्सों के जलबध्द के साथ प्रकृतिक  
साधनों को प्रभावित करता है।

जिसके कारण माधुनिक कृषि पत्र जाता है।  
जिसमें मृत्तों की रियात बढ़ती है।

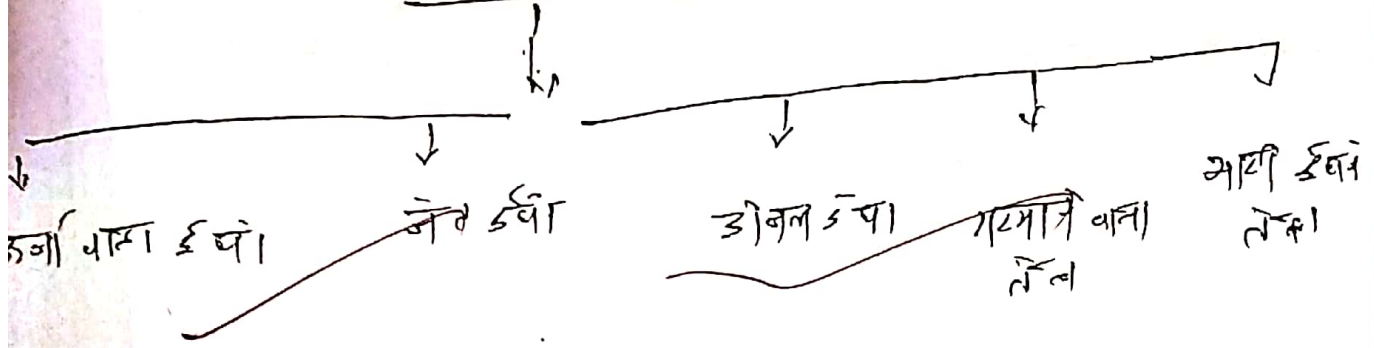
साधनों को नियंत्रित करता है। तथा यद-  
वस्तुतः आलू गोले एक गर्म प्रत्यासक्त धारा है, जो -

कि पूर्व प्रयातों महासागर में प्रेरित करने के निम्न साधक  
द्विचक्र धार में प्रकृत होगी है।

3

वर्तमान का वर्गीकरण : उपरोक्त के आधार पर निम्न निम्न समूहों में वर्गीकृत किया जा सकता है -

वर्गीकरण



वातावरण में अर्जा के रूप में मौजूद होने के रूप में वातावरण का परिचय करने में प्रयोग।

जैव ईंधन - कार्बन के प्रयोग में वातावरण में अर्जा के रूप में प्रयोग।

डोजल ईंधन - वातावरण में अर्जा के रूप में प्रयोग।

गैसी ईंधन के रूप में प्रयोग।

वातावरण के उत्पादों में - इसमें जैव ईंधन, डोजल, गैसी ईंधन आदि में अर्जा के रूप में प्रयोग।

इनके अतिरिक्त मरकर प्राकृतिक गैस, ईंधन, कार्बन के रूप में अर्जा डोजल कार्बन उत्पादों के रूप में प्रयोग का प्रयोग होता है।

2] 65 LV - mk-3 को वातावरण का अर्थ है।

यह इसमें इस विकल्प 'उत्पाद' प्रयोग।

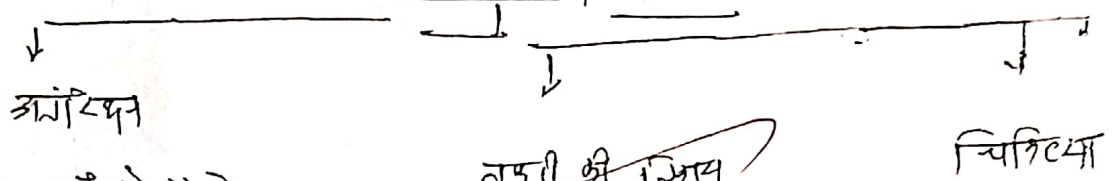
प्रयोग वातावरण है।



अंतरिक्षीय आणविक प्रणाली में नैरो का अर्थ  
 मोटर का अर्थ है 'सिस्टम' भाग भाग है। एक  
 उच्च आकार के कणों में नये नये नैरो प्रणाली का  
 विचार संभव हो पाया है।

(4)

नैरो रेखा लक्ष्मी  
उपयोगिता



- नैरो वाटो वाहन
- तटवी क्षेत्र विकास
- चिकित्सा
- नैरो वाटो वाहन
- तटवी क्षेत्र विकास
- चिकित्सा
- नैरो वाटो वाहन
- तटवी क्षेत्र विकास
- चिकित्सा
- नैरो वाटो वाहन
- तटवी क्षेत्र विकास
- चिकित्सा
- नैरो वाटो वाहन
- तटवी क्षेत्र विकास
- चिकित्सा
- नैरो वाटो वाहन
- तटवी क्षेत्र विकास
- चिकित्सा
- नैरो वाटो वाहन
- तटवी क्षेत्र विकास
- चिकित्सा

नैरो रेखा लक्ष्मी का अनुप्रयोग  
 उपचार में किया जा सकता है। नैरो रेखा लक्ष्मी का उपयोग  
 है। नैरो रेखा लक्ष्मी का उपयोग

214] पैट्रो लिपम एक प्राकृतिक इंधन है, जो श्रुपपर्ती के  
 पड़ते नैरो आणविकी परतों के बीच पाया जा  
 वाला। यह एक हाइड्रो कार्बन का काला, गाढ़े  
 भूरे रंग का तैलीय पदार्थ है।  
 पैट्रो लिपम में विभिन्न अन्य उपकरण  
 • हाइड्रोकार्बन, आदि। नैरो रेखा लक्ष्मी

प्रयोगों का वर्गीकरण :

प्रयोगों को प्रयोगों के अनुसार वर्गीकृत किया जा सकता है।

वर्गीकरण

आणविक प्रयोगों को प्रयोगों के अनुसार वर्गीकृत किया जा सकता है।

आणविक प्रयोगों को प्रयोगों के अनुसार वर्गीकृत किया जा सकता है।

आणविक प्रयोगों को प्रयोगों के अनुसार वर्गीकृत किया जा सकता है।

आणविक प्रयोगों को प्रयोगों के अनुसार वर्गीकृत किया जा सकता है।

आणविक प्रयोगों को प्रयोगों के अनुसार वर्गीकृत किया जा सकता है।

आणविक प्रयोगों को प्रयोगों के अनुसार वर्गीकृत किया जा सकता है।





• गार्ड (B) के भा की रखा

• सि क्षीण गिति से व्युत्पन्न था  $n = 3.1416$

सर्वांगीण शास्त्र :- पृथ्वी का धूर्णन

• ~~नक्षत्र~~ तथा धूर्णन का गति धूर्णन तथा नक्षत्र का स्थिति

संज्ञा :-

आर्ष अक्षय्य ग्रह 121 शतक

इसके अंतर्गत अथ सूर्य व चंद्र की चिह्न काली -  
संयमित प्रकाश करने के लिए यान में अथवा प्रकाश  
संकेतों अथवा 'आर्षयुक्त' अर्थात् के रूप में था।

3

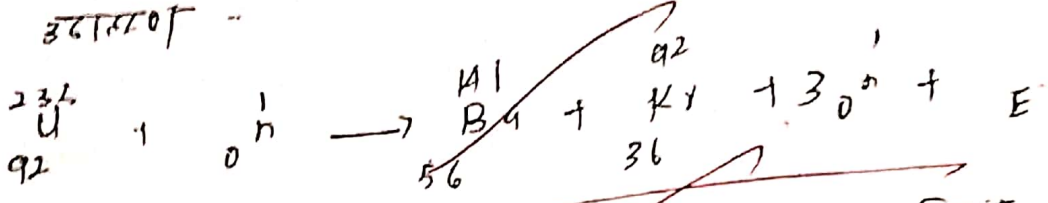
2 D] अने अक्षयी ग्रहिया नालिका किरा होती है।  
इसके अर्थ अक्षयि नाला प्रकाश हार्मोन कहलाता है।  
जो अक्षय के माध्यम से निर्मित होती है।  
इसका अर्थ है अक्षय में आकाश, धीरे धीरे, विद्युत्, प्रकाश  
अने अक्षयी ग्रहियों की कार्य प्रणाली किम्वदुता :-  
कार्य प्रणाली

- हार्मोन का निर्माण प्रकाश एवं नियंत्रण का कार्य
- अक्षय नाला एवं अक्षय के स्थिति में
- अक्षय स्थिति तथा व्यवहार्य संचालन में
- विद्युत् प्रकाश यंत्रिका के माध्यम से अक्षय  
ग्रहियों के अक्षय की नियंत्रित करना है।

अने अक्षयी ग्रहिया जीने एडोम . प्रोविन , साइमल अक्षय  
के माध्यम से शारीरिक क्रियाओं का नियंत्रण एवं संचालन करता है।

3

2 A] नाथी क्षीय तथीक का प्रयोग नाथी क्षीय निर्यथा एवं नाथी क्षीय सांगपा में किया जाता है।  
 उरुका प्रयोग अर्जा उरुका एवं पर्याप्त वन चमो में किया जाता है।  
 नाथी क्षीय विर्या वर प्रक्रिया है निर्यथा एवं उरुका नाथी क्षीय का धारे धारे नाथी क्षीय में निर्यथा होता है।  
 विर्या की प्रक्रिया में अर्जा का निर्माण होता है।



- नाथी क्षीय अर्जा के विभाजों में नाथी क्षीय निर्यथा की प्रक्रिया
- नाथी क्षीय निर्यथा को प्रत्यक्ष चयन में प्रयुक्त करने के लिए उरुका उरुकाजित होने पर ही आगे की प्रक्रिया प्रचलित करने है।
- पर्याप्त रिसेप्टर में नाथी क्षीय निर्यथा एवं अर्जा उरुकाजित की जाती है।

(4)

2 B] ज्ञानपीठ पारसीय प्रयोगेण शास्त्री आर्य यदु (1994 ई)

में वर्तमान विचार के अनुसार में हुआ। वे गुप्त शासक चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य II के दरबार में रहते थे। अज्ञान और अज्ञान शक्ति के विरुद्ध वे अज्ञान - अज्ञानता को दूर किया।  
 विचार कितने शक्तों के द्वारा हीय जा -  
 1. शक्ति - आर्य यदुय, नाथी क्षीय की रूप को शक्ति के रूप में लिए।

चैद विद्य - उच्च आण्डि नरु > त्रिम आण्डि नरु

माप - हर्न (MzU) (1)

पुवकीप दोत्र मे प्रति एकां दोत्र कल मे मरेन गुजदने केली  
पुवकीप वल रेपारु का पुवकीप चरुप कल जान हो

• इयका मराकु चेरक 10b

• चिह - प

• सूत्र - प - B A W L O (2)

9] कार्गे मरे एका 'दूर मानेरी' मा चिखण उपग्रह ' है ।

• उपयोग - तत्राण धूमि उपयोग, शांति एव एरुती अडप्रयोग

उपकरण - एकरु नेतर्क विद्यका, जल विद्यका, योय  
मर्जिल स्टार्क (Pek) - 2016.

10]

जो एत कलले मान्यन - पाठप अलि मरित्री एव जो प्रीलो -  
मित्री की मान्यता मे पयि कर्मिरे उन्नत कलले है, जो  
कीन प्रियेकी . उच्च उन्वाकरा एव मूख जहरीप होतीही

उपकरण - कीली कपाप

(2)



अनुभव कला है, विद्युत बल करती है।  
यह एक 'राफा' शक्ति है।

1. [ ] स्वभाविक रूप से आयत क्षीय यादृच्छिक परीक्षण की  
घटनाओं के घटित होने की माप (आवृत्तिमान की माप)  
यों है।

$P(E) = \frac{E \text{ के अक्षर वर्णों की संख्या}}{\text{प्रयोग के सभी संभव परिणामों की संख्या}}$

1. [ ] इनमें 3DR इयर्थ अथ निर्मित एक 'मौख्य अग्रद' हैं जो यादृच्छिक यादृच्छिक अग्रद प्रणाली अथ संवाले हैं। यह मौख्य एवं आकाश तन्म यादृच्छिक अथ संवाले में -  
(2) यादृच्छिक लोग।  
लाभियां - वर्ष 2016

1. [ ] जी। मैजिं यं आयत क्षीय जीनेस में स्थित जी। एवं उनके मूल्य की दृष्टि में है।  
(2) उपयोग - योग्य जी। की परचा।  
अवस्था - आनुवंशिक - बीजाणुओं की परचा।  
विद्युत बल स्थिति।

1. [ ] प्रोटीन यादृच्छिक प्रोटीन निर्माण की एक प्रक्रिया है जो 'यह' में प्रोटीन में घटित होती है। यह दो चरणों में होती है :-  
(2)

1. [ ] वेड विच में तात्पर्य संश्लेषण तंत्रों की 'उत्पत्तय' एवं 'सुसंरत' 'आवृत्ति' में है।  
(2) संश्लेषित तंत्रों की आवृत्ति का नियंत्रण होता है।



रूपया — ① सपष्टता के लिये

② प्रश्न क्रमों को  
उत्तर पूर्णता का

समाप्ति ~~के~~ जमाने